Email : railsamacharbureau@rediffmail.com, www.railsamacharbureauald.com

# रेल समाचार ब्यूरो

भारतीय रेल देश की जीवन रेखा है, इसका आधुनिकीकरण हमारी प्राथमिकता है

R.N.I.No. 51097/90 DN/XXX/2021-2023 Post AD No. 8

## सम्पूर्ण रेल जगत का प्रथम पाक्षिक

## हमें रेलवे की तस्वीर और बेहतर बनानी होगी

अपने शुभचिंतको को घर पर ही विदा करे, प्लेटफार्म पर नहीं

वर्ष-३१ अंक-११ प्रयागराज रेल समाचार ब्यूरो ०१ जून- १५ जून २०२३ पृष्ठ ०८ मूल्य:२० रु.मात्र + डाक खर्च (रंगीन सहित)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने २६ मई, २०२३ को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गुवाहाटी को न्यू जलपाईगुड़ी से जोड़ने वाली असम की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

## पूर्वोत्तर की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस से पर्यटन और कनेक्टिविटी को मिलेगा बढ़ावा –पीएम मोदी

पसूका/नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से असम की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस को झंडी दिखाकर रवाना किया। वंदे भारत एक्सप्रेस गुवाहाटी को न्यू जलपाईगुड़ी से जोड़ेगी और इस यात्रा में ५ घंटे ३० मिनट का समय लगेगा। प्रधानमंत्री ने नए विद्युतीकृत खंड के १८२ किलोमीटर मार्ग को समर्पित किया और असम के लुमडिंग में एक नवनिर्मित डेमू/मेमू शेड का उद्घाटन भी किया। दिनांक: २६.०५.२०२३ को उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर की कनेक्टिविटी के लिए आज का दिन विशिष्ट है क्योंकि तीन विकास कार्य एक साथ संपन्न हुए हैं। प्रधानमंत्री ने बताया कि आज पूर्वोत्तर को अपनी पहली वंदे भारत एक्सप्रेस मिल रही है, यह तीसरी वंदे भारत एक्सप्रेस है जो पश्चिम बंगाल को जोड़ती है। दूसरे, असम और मेघालय में लगभग ४२५ किलोमीटर रेल पटरियों का विद्युतीकरण किया गया है। और तीसरी बात, असम के लुमडिंग में एक नए डेमू/मेमू शेड का उद्घाटन किया गया है। प्रधानमंत्री ने इस शुभ अवसर पर असम, मेघालय और पश्चिम बंगाल के साथ संपूर्ण पूर्वोत्तर के नागरिकों को शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि गुवाहाटी-न्यू जलपाईगुड़ी वंदे भारत रेलगाड़ी से असम और पश्चिम बंगाल के बीच सदियों पुराने संबंध और सुदृढ़ होंगे। इससे यात्रा में सुविधा होगी और छात्रा लाभान्वित होंगे तथा पर्यटन और व्यवसाय से नौकरी के अवसरों में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि वंदे भारत एक्सप्रेस से मां कामाख्या मंदिर, काजीरंगा, मानस राष्ट्रीय उद्यान और पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य एक दूसरे से जुडेंगे। प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि इससे शिलांग, मेघालय में चेरापूंजी और अरुणाचल प्रदेश में तवांग तथा पासीघाट में यात्रा और पर्यटन में वृद्धि होगी। प्रधानमंत्री ने कहा, भारतीय रेलवे गति के साथ-साथ लोगों के दिलों, समाजों और अवसरों को एकसूत्र में जोड़ने का माध्यम बन गई है। गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर पहली ट्रांसजेंडर चाय की दुकान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह समाज से बेहतर व्यवहार की उम्मीद करने वाले लोगों को सम्मान का जीवन प्रदान करने एक प्रयास है।

## भारतीय रेलवे ने बांग्लादेश को सौंपे २० ब्रॉड गेज इंजन

पसूका/नई दिल्ली: भारत और बांग्लादेश के बीच आपसी संबंधों को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली के रेल भवन में आयोजित एक समारोह में वर्चुअल रूप से २० ब्र ड गेज (बीजी) इंजनों को बांग्लादेश के लिए रवाना किया गया। बांग्लादेश की ओर से रेल मंत्री मोहम्मद नुरुल इस्लाम सुजान भी वर्चुअल माध्यम से इस समारोह में शामिल हुए। दिनांक: २३.०५.२०२३ को इस कार्यक्रम में रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्यकार्यकारी अधिकारी (सीईओ) ए. के. लाहोटी, बोर्ड के सदस्यों, रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों और बांग्लादेश के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। भारत सरकार से अनुदान सहायता के अंतर्गत इन डीजल इंजनों का सौंपा जाना अक्टूबर, २०१६ में बांग्लादेश की मा० प्रधानमंत्री शेख हसीना की भारत यात्रा के दौरान की गई एक महत्वपूर्ण प्रतिबद्धता को पूरा करता है। बांग्लादेश रेलवे की आवश्यक-ताओं को ध्यान में रखते हुए, भारतीय पक्ष ने इंजनों को उपयुक्त रूप से संशोधित किया है। ये इंजन बांग्लादेश में यात्री की बड़ी संख्या और मालगाड़ी संचालन को संभालने में मदद करेंगे। इस अवसर पर अश्विनी वैष्णव ने कहा, बांग्लादेश के साथ भारत के संबंध सभ्यतागत, सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक हैं। दोनों देशों के प्रधानमंत्री सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। भारतीय रेलवे सीमा पार रेल संपर्क को बेहतर बनाने और सुदृढ़ करने और दोनों देशों के बीच व्यापार में सुधार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अब तक, गेडा-दरसाना, बेनापोल- पेट्रापोल, सिंघाबाद-रोहनपुर, राधिकापुर-बिरोल और हल्दीबाड़ी-चिलहाटी पर पांच ब्रॉड गेज कनेक्टिविटी जारी हैं। दो और सीमा पार रेल संपर्को, अखौरा-अगरतला और महिहासन-शाहबाजपुर पर कार्य प्रगति पर है और शीघ्र पूरा होने तथा शुरू होने की संभावना है। बांग्लादेश के रेल मंत्री मोहम्मद नुरूल इस्लाम सुजान ने वर्चुअली रूप से सभा को संबोधित करते हुए कहा, मैं भारत सरकार के समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त करता हूं।

## रेल मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

पसूका/नई दिल्लीः रेल मंत्रालय से संबद्ध संसदीय सलाहकार समिति की बैठक नई दिल्ली में हुई। बैठक के एजेंडे में २ विषयों- भारतीय रेल में खानपान सेवाएं और भारतीय रेल स्टेशन विकास-अमृत भारत स्टेशन योजना को कवर किया गया। बैठक की अध्यक्षता रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने की और इसमें कई सांसदों ने भाग लिया। भारतीय रेलवे में खानपान सेवाओं के विषय पर सदस्यों को सूचित किया गया कि लगभग १.८ करोड़ यात्री भारतीय रेल में यात्रा करते हैं और यात्रियों के लिए ट्रेनों और स्टेशनों में पर्याप्त खानपान सुविधाओं का प्रावधान और उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। यात्रियों को खानपान सेवाएं या तो स्टैटिक इकाइयों या मोबाइल इकाइयों के माध्यम से प्रदान की जाती हैं। पैंट्रीकार/ मिनी पैंट्री के साथ ४७३ जोड़ी ट्रेनें हैं और ७०६ जोड़ी ट्रेनों में ट्रेन साइड वेंडिंग की सुविधा है। मंत्रलय ने आईआरसीटीसी को ट्रेनों में खानपान सेवाओं के मेनू को अनुकूलित करने और तय करने की छूट दी है ताकि यात्रियों के विभिन्न समूहों की प्राथमिकताओं के अनुसार क्षेत्रीय व्यंजनों, मौसमी व्यंजनों और खाद्य पदार्थो की सभी वस्तुओं को शामिल किया जा सके। भारतीय रेल में ई-कैटरिंग योजना भी शुरू की गई है। मोबाइल और स्टैटिक कैटरिंग इकाइयों दोनों में कैशलेस लेनदेन की सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। गुणवत्ता और सेवा मानकों को सुनिश्चित करने के लिए कैटरिंग सेवाओं की तीसरे पक्ष द्वारा लेखा परीक्षा भी की जाती है। खानपान सेवाओं की निगरानी और पर्यवेक्षण के लिए नियमित और औचक निरीक्षण किया जाता है। स्टेशन विकास विषय पर यह सूचित किया गया कि भारतीय रेल के स्टेशन का उन्नयन/ आधुनिकीकरण एक सतत् प्रक्रिया है। अब तक तीन स्टेशनों-मध्य प्रदेश में रानी कमलापति, गुजरात में गांधीनगर और कर्नाटक में सर एम विश्वेश्वरैया रेलवे स्टेशन-का पुनर्विकास/ आधुनिकीकरण किया गया है।इन तीन स्टेशनों से प्राप्त अनुभव के आधार पर, भारतीय रेल में स्टेशनों के विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की गई है। इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ निरंतर आधार पर स्टेशनों के विकास की परिकल्पना की गई है। इसमें स्टेशनों पर सुविधाओं में सुधार के लिए चरणबद्ध तरीके से मास्टर प्लान तैयार करना और उनका कार्यान्वयन शामिल है जैसे स्टेशनों की पहुंच में सुधार, सर्कुलेटिंग क्षेत्र, प्रतीक्षालय, टॉयल्स , लिफ्ट/ एस्केलेटर, स्वच्छता, फ्री वाई- फाई, श्वन स्टेशन वन प्रोडक्ट योजना के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामित स्थान, लैंडस्कैपिंग आदि, ऐसे प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए।

> यदि मनुष्य कुछ सीखना चाहे, तो उसकी हर भूल उसे कुछ शिक्षा दे सकती है।
> महात्मा गांधी

## नौ साल में दुनिया में बढ़ा भारत का मान-सीएम योगी

रे.स.ब्यू./सूत्रःलखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ६ साल का कार्यकाल पूरा होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजधानी में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस मे कहा की जहां एक तरफ दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ा है, वहीं देश की आंतरिक और बाह्य सुरक्षा सुदृढ़ हुई है। उन्होने कहा की बिना भेदभाव के सबका साथ, सबका विकास की भावना के साथ योजनाओं को आगे बढ़ाने का कार्य हो रहा है। जनधन से शुरू हुई योजना देखते देखते कितना विस्तार ले चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीब कल्याण चौथा स्तंभ है, जिसे ६ साल में भारत सरकार ने अनेक योजनाओं के जरिए सिद्ध किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रही सरकार गरीब कल्याण को समर्पित है। देश में ४५ करोड़ से अधिक गरीबों के अकाउंट खोले गये। इससे जो परिवर्तन देखने को मिला वो अकल्पनीय है। आज भारत को कोई आंख दिखाने का साहस नहीं कर सकता। गरीबों का कल्याण और इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट जैसे चार स्तंभों को मोदी सरकार ने बीते ६ साल में मजबूत आधार प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि पिछले ६ साल में बदली हुई परिस्थितियों को हम सब ने ना केवल महसूस किया है बल्कि हमने इस दौरान नये भारत का दर्शन भी किया है। आज का भारत चार महत्वपूर्ण स्तंभों पर खड़ा है। मुख्यमंत्री ने पहले स्तंभ की चर्चा करते हुए कहा कि आज वैश्विक स्तर पर भारत का मान बढ़ा है। भारत को दुनियाभर मे सम्मान मिल रहा है। हाल ही में पीएम ने तीन देशों की यात्रा की है, उसका दृश्य हम सबके सामने है।

## यात्रियों की सुविधा हेतु पटना से हावड़ा के लिए समर स्पेशल ट्रेन का परिचालन

साभारःयात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए पटना और हावड़ा के मध्य दिनांक २१.०५.२०२३ से २५.०६.२०२३ तक प्रत्येक रविवार को गाड़ी सं. ०२०२४/०२०२३ पटना-हावड़ा-पटना सुपरफास्ट समर स्पेशल चलाने का निर्णय लिया गया है। गाड़ी संख्या ०२०२४ पटना-हावड़ा सुपरफास्ट समर स्पेशल २१.०५.२०२३ से २५.०६.२०२३ तक प्रत्येक रविवार को पटना से ०५.३० बजे प्रस्थान कर ०५.४३ बजे पटना साहिब, ०६.०८ बजे बख्तियारपुर, ०६.२० बजे बाढ़, ०६.४५ बजे मोकामा, ०६.५२ बजे हाथीदह, ०७.१३ बजे लखीसराय, ०७.३६ बजे जमुई, ०८.२१ बजे झाझा, ०८.५६ बजे जसीडीह, ०६.२० बजे मधुपुर, ०६.५२ बजे जामताड़ा, १०.०६ बजे चितरंजन, १०.३६ बजे आसनसोल एवं ११.१५ बजे दुर्गापुर रूकते हुए १३.२५ बजे हावड़ा पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी संख्या ०२०२३ हावड़ा-पटना सुपरफास्ट समर स्पेशल दिनांक २१.०५.२०२३ से २५.०६.२०२३ तक प्रत्येक रविवार को हावड़ा से १४.१५ बजे प्रस्थान कर १६.०८ बजे दुर्गापुर, १६.४० बजे आसनसोल, १७.१४ बजे चितरंजन,१७.३० बजे जामताड़ा, १८.०१ बजे मधुपुर, १८.२६ बजे जसीडीह, १६.३० बजे झाझा, १६.५० बजे जमुई, २०.१८ बजे लखीसराय, २०.३८ बजे हाथीदह, २०.५२ बजे मोकामा, २१.१० बजे बाढ़, २१.३० बजे बख्तियारपुर एवं २२.०३ बजे पटना साहिब रूकते हुए २२.३० बजे पटना पहुंचेगी।

> इनसान महान पैदा नहीं होता है, उसके विचार उसे महान बनाते हैं. विचार और काम की शुद्धता और सरलता ही महान लोगों को आम लोगों से अलग करती है. वे वही काम करते हैं, जो दूसरे करते हैं, लेकिन उनका मकसद समाज में बदलाव लाना होता है।
> -महात्मा गांधी

## Ashley Biggs Cricket Team felicitated by General Manager, Southern Railway

Source/CPRO/SR: Sir Ashley Biggs Institute is one of the oldest Railway Institutes of Chennai. Traditionally, the Senior Divisional Personnel Officer of Chennai Division is the Chairman and Secretary of Sir Ashley Biggs Institute.The Ashley Biggs Institute Cricket Team participates in the league matches of TNCA (Tamil Nadu Cricket Association) as a member club of TNCA. During the current year (2023) the team has played for the P.Annadurai Shield under TNCA "A" Zone and won Nine matches out of the total eleven matches and moved to the IV Division from V Division.The members of this Ashley Biggs Cricket Team were felicitated by the Patron of SRSA (Southern Railway Sports Association) and General Manager of Southern Railway, R.N.Singh on 29th May 2023 in the presence of Office bearers of SRSA (Southern Railway Sports Association) P.Mahesh, President, SRSA and SDGM & CVO/S Rly, T.Sivakumar, Secretary, SRSA and CPTM/S Rly, Ganesh, Patron of Sir Ashley Biggs Institute and DRM, Chennai Division and B.Aravind, Chairman and Secretary of Sir Ashley Biggs Institute and Sr DPO, Chennai Division.Along with the Ashley Biggs Cricket Team, N.Kanniah, General Secretary of Southern Railway Mazdoor Union and Other Office bearers were also present during the occasion.

## राजभाषा प्रदर्शनी आयोजित

रे.स.ब्यू./सूत्रःझांसी। महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे के आदेशानुसार मंडल कार्यालय झांसी के विभिन्न विभागों और शेडों द्वारा प्रत्येक माह राजभाषा विभाग के समन्वय से एक विभागीय राजभाषा प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इसी अनुक्रम में दि.१८.५.२३ को परिचालन विभाग, झांसी में ११ बजे राजभाषा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। राजभाषा प्रदर्शनी में परिचालन विभाग, झांसी द्वारा हिंदी में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्य को प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी में वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक, सामान्य अखिल शुक्ल, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक, गुड्स एवं कोचिंग जे संजय कुमार, मंडल परिचालन प्रबंधक डी के जैन वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी, सहायक परिचालन प्रबंधक तथा बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित हुए।

## सम्पादकीय

# नोटबंदी पर लोगों की उलझन

सरकार ने २ हजार के नोटों को बंद करने का फैसला लिया। जिसके बाद दो हजार रुपये के नोटों की वापसी की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अगर बैंकों से लंबी कतारें लगने या बेहिसाब भीड़ जमा हो जाने की खबरें नहीं आ रहीं तो इसकी एक वजह तो यही है कि इन नोटों का चलन काफी पहले से कम होता जा रहा था। भले ही इस फैसले से आबादी का बड़ा हिस्सा सीधे तौर पर प्रभावित न हो रहा हो, लेकिन इसमें हर आम ओ खास के लिए सरप्राइज एलीमेंट जरूर है। इसने सबको न केवल एक बार चौंका दिया बल्कि उनके जेहन में दर्ज नोटबंदी के कड़वे अनुभव को फिर ताजा कर दिया। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, ३१ मार्च २०२३ को सर्कुलेशन में मौजूद दो हजार के नोटों की संख्या कुल नोटों का १०.८ फीसदी ही रह गई थी। दूसरी वजह यह भी हो सकती है कि पिछली बार यानी २०१६ में हुई नोटबंदी के विपरीत इस बार इन नोटों को लीगल टेंडर बनाए रखा गया है। इन्हें बदले जाने की समयसीमा भी ठीकठाक लंबी (३० सितंबर तक) रखी गई है। आरबीआई गवर्नर ने स्पष्ट किया कि ३० सितंबर के बाद भी ये नोट मान्य होंगे और यह संकेत भी दिया कि जरूरत होने पर यह समयसीमा बढ़ाई जा सकती है। बावजूद इसके, दो हजार के नोट वापस लिए जाने की घोषणा करंसी मैनेजमेंट के लिहाज से कोई अच्छी मिसाल नहीं कही जाएगी। इसके अलावा नोटबंदी के मुकाबले ज्यादा सतर्कता और ज्यादा सहजता से अमल किए जाने के प्रयासों के बावजूद इस बार भी अनिश्चितता और असमंजस की स्थिति टाली नहीं जा सकी। आरबीआई गवर्नर के स्पष्टीकरण के बाद भी अभी तक यह साफ नहीं है कि नोट बदलवाने के लिए बैंक जाने वालों को आईडी दिखाने और फ र्म भरने की जरूरत होगी या नहीं। एसबीआई की घोषणा के मुताबिक इसकी जरूरत नहीं है।

# उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक ने की कार्य प्रगति की समीक्षा

रे.स.ब्यू./सूत्र नई दिल्ली। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक शोभन चौधुरी ने उत्तर रेलवे के विभागाध्यक्षों और मंडल रेल प्रबंधकों के साथ उत्तर रेलवे की कार्य प्रगति की समीक्षा की । दिनांकरू ३०.०५.२०२३ को बैठक में गतिशीलता में वृद्धि और अन्य विकासात्मक कार्यो व माल लदान जैसे विषयों पर विचार- विमर्श किया गया। उत्तर रेलवे ने समयपालनबद्धता के बेहतर रिकॉर्ड को बनाए रखा है और रेलगाड़ियों के समय से चलने पर विशेष बल दिया है।महाप्रबंधक ने मालगाड़ियों विशेष रूप से, कोयले का परिवहन करने वाली रेलगाड़ियों के संचालन पर बल दिया ताकि गर्मियों के मौसम में बिजली बनाने के लिए कोयले की बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए थर्मल पावर स्टेशनों को कोयले की निर्बाध आपूर्ति हो सके। उन्होंने कहा कि संरक्षा के साथ-साथ गतिशीलता में वृद्धि संबंधी कार्य उत्तर रेलवे की प्राथमिकता हैं। उन्होंने जोन में रेलपथों, वैल्डों के अनुरक्षण मानकों को बेहतर बनाने और रेलपथों के किनारे पड़े स्क्रैप को हटाने के लिए किये जाने वाले कार्यो की समीक्षा की । उन्होंने मण्डलों को निर्देश दिए कि वे गतिशीलता बढ़ाने संबंधी कार्यो में तेजी लाएं और इन कार्यो की प्रगति जांचने के लिए अभियान चलाएं । उन्होंने रेल परिचालन के दौरान संरक्षा पर बल दिया और कहा कि किसी भी तरह की बाधा को रोकने के लिए हरसंभव प्रयास किये जाने चाहिए। चौधुरी ने यह भी कहा कि जहां भी आवश्यक है वहां कर्मचारियों को परामर्श और प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए । उन्होंने कहा कि रेल दरारों और रेल वैल्डों की निगरानी गहन रूप से की जानी चाहिए और इसमें कोई त्रुटि नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने रेल परिचालन में मानवीय भूलों को न्यूनतम करने पर बल दिया। उन्होंने विभागाध्यक्षों और मण्डल रेल प्रबंधकों को संरक्षा को प्राथमिकता देते हुए माल लदान की गति को बनाए रखने और समयपालनबद्धता को बेहतर बनाने के निर्देश दिए । महाप्रबंधक ने महत्वपूर्ण और जटिल परियोजनाओं की प्रगति का भी जायजा लिया ।

## पाठकों से

आपको यह अंक कैसा लगा? इसमें आप और क्या परिवर्तन चाहते है। कृपया अपने सुझावों, आलोचनाओं से अवश्य ही अवगत करायें। आपके पत्रों का हमें इंतजार रहेगा।

प्रधान सम्पादक

# उत्तर मध्य रेलवे में मिशन लाइफ के तहत साइकिल रैली आयोजित

रे.स.ब्यू./संवा.प्रयागराज महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे सतीश कुमार के मुख्य आतिथ्य में रेलगाँव सूबेदारगंज में एक साइकिल रैली का आयोजन किया गया। दिनांक ३१.०५.२३ को इस अवसर पर सर्वप्रथम साइकिल रैली को महाप्रबंधक द्वारा रेलगाँव स्टेडियम से हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया। यह रैली स्टेडियम से प्रारंभ हो कर, रेल गाँव रेलवे कॉलोनी के गेट से होते हुए वापस स्टेडियम तक आकर समाप्त हुई। इस रैली में महाप्रबंधक सहित उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय के प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ बड़ी संख्या में अधिकारियों तथा कर्मचारियों द्वारा उत्साहपूर्वक सहभागिता की गई। ज्ञात हो कि, मिशन लाइफ के तहत भारत सरकार द्वारा पर्यावरण की रक्षा और प्राकृतिक संसाधनों के नासमझपूर्ण उपभोग के स्थान पर सुविचारित उपयोग को बढ़ावा देने के लिए जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में भारतीय रेल भी बढ़-चढ़ कर सहभाग कर रही है और इस क्रम में जनजागरूकता अभियानों के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के कार्य किए जा रहे हैं। इस जागरूकता अभियान के अंतर्गत सभी स्टेशनों पर जनजागरूकता संदेशों का प्रसारण करने के साथ ही जनजागरूकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं। इस अवसर पर अपने संबोधन में महाप्रबंधक ने पर्यावरण के बेहतर प्रबंधन के लिए सभी को प्रेरित किया और साथ ही साइकिल के नियमित प्रयोग से स्वास्थ्य को होन वाले लाभों तथा इसके पर्यावरण मित्र होने की बात भी कही। उन्होंने सभी को साइकिल के नियमित प्रयोग के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में आगमन पर प्रधान मुख्य बिजली इंजीनियर एवं अध्यक्ष उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ के अग्रवाल ने महाप्रबंधक का स्वागत किया और कार्यक्रम का संचालन मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी एवं महासचिव उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ हिमांशु शेखर उपाध्याय द्वारा किया गया। उत्तर मध्य रेलवे के विभिन्न विभागों के प्रमुख विभागाध्यक्ष और बड़ी संख्या में अधिकारी कर्मचारी और उनके परिवारिजन उपस्थित रहे । इस कार्यक्रम का आयोजन उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ के तत्वावधान में किया गया।

# मई माह में आरेडिका का सर्वाधिक कोच उत्पादन

साभारः आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली ने चालू वित्त वर्ष २०२३-२४ के मई माह में १५७ कोचों का निर्माण किया जो अभी तक के आरेडिका में किए गये मई माह के कोच का अधिकतम उत्पादन है, इससे पूर्व २०१६ में मई माह का सर्वाधिक कोच का उत्पादन १३४ कोच हुआ था। इन १५७ कोचों में रेलवे के विभिन्न प्रकार कोच जैसे एसी इकोन मी के ६३ कोच, दीनदयालु के २२ कोच, स्लीपर क्लास के २१ कोच, तेजस के १६ कोच, पेण्ट्रीकार १०, एसी३टीयर के ८ कोच, एसी२टीयर के ८ कोच, पार्सलबैन ६, एसी फस्ट के ३ कोच,शामिल हैं। इन कोचों में गुणवत्ता संबंधित सभी मानकों का पालन किया गया। जिससे यात्रियों की आरामदायक एवं सुरक्षित यात्रा हो सके। आरेडिका को वित्त वर्ष २०२३-२४ के लिए १८१३ कोच उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया जिसे टीम आरेडिका पूरा करने के लिए सतत् प्रयत्नशील है। एक माह में १५७ कोच बनाना यह दर्शाता है कि आरेडिका अपनी कार्य क्षमता को उच्च स्तर पर ले जाने को तत्पर है। आरेडिका के महाप्रबंधक पी के मिश्रा ने इस उपलब्धि पर आरेडिका सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं संविदा कर्मियों को उनकी मेहनत एवं लग्न के लिए बधाई दी तथा भविष्य में इस प्रकार के कीर्तिमान स्थापित करते हुए आरेडिका को नित नई-नई ऊँचाइयों पर पहुचाने के लिए प्रेरित किया।

# आयुष मंत्रालय और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय लाएंगे इंटीग्रेटिव हेल्थ पॉलिसी - डॉ. मनसुख मंडाविया

साभारः नई दिल्ली। दो दिवसीय राष्ट्रीय आयुष मिशन कॉन्क्लेव आयुष मंत्रालय और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से प्रतिबद्ध होकर जनता के स्वास्थ और कल्याण के लिए इंटीग्रेटिव हेल्थश को प्राथमिकता देने के साथ सम्पन्न हुई। केंद्रीय आयुष और बंदरगाह, नौवहन व जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोणोवाल ने मुख्य अतिथि डॉ. मनसुख मंडाविया, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री की उपस्थिति में कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में आयुष राज्य मंत्री डॉ. मुंजपरा महेंद्रभाई के साथ उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, गोवा, झारखंड, उत्तराखंड, असम, मिजोरम, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के प्रतिनिधियों सहित अन्य राज्यों के स्वास्थ्य व आयुष मंत्री भी उपस्थित रहे। केंद्रीय आयुष मंत्री सर्बानंद सोणोवाल ने वहां मौजूद सभी लोगों को लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट शपथश दिलाई। समारोह की अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय आयुष मंत्री सर्बानंद सोणोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आयुष और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रलय को स्वास्थ्य व कल्याण के लिए एकजुट होकर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया है।

भारत को इस मोर्चे पर दुनिया का नेतृत्व करना होगा। चूंकि दोनों मंत्रालय लगातार काम कर रहे हैं, इसलिए हमारे संकल्प और शक्ति में कई गुना वृद्धि हुई है। भारतीय पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली की ताकत को पहचानते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जामनगर में ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन (WHO&GCTM) केंद्र की स्थापना के साथ भारत को भी सम्मानित किया है। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने इंटीग्रेटिव मेडिसिन पर अधिक जोर दिया और कहा कि आज की प्राथमिक आवश्यकता भारत के प्रत्येक नागरिक को स्वस्थ बनाना है। दोनों मंत्रलय जल्द ही इंटीग्रेटिव हेल्थ पॉलिसी लेकर आएंगे। कॉन्क्लेव के दौरान, भाग लेने वाले राज्यों के विषय विशेषज्ञ राष्ट्रीय आयुष मिशन (NAM) के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श करेंगे, एनएएम के तहत बजट अवशोषण में वृद्धि की दक्षता पर ध्यान केंद्रित करेंगे और योजना के बेहतर निष्पादन के लिए संस्थानीकरण, आयुष स्वास्थ्य सुविधाओं व दवाओं की आपूर्ति को बेहतर करेंगे, आयुष के लिए क्षमता निर्माण और आयुष हेल्थ वेलनेस सेंटर (AHWCs) का उन्नयन, आयुष सार्वजनिक स्वास्थ्य में अनुसंधान और गुणवत्ता आश्वासन के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य व तकनीकी एकीकरण को मजबूत करने के लिए आयुष में शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने से संबंधित बिंदुओं पर गहन चर्चा करेंगे।

## राजभाषा प्रदर्शनी आयोजित

रे.स.ब्यू./सूत्रःआगरा मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, आगरा के गोवर्धन सभा कक्ष में यांत्रिक विभाग के कैरिज एंड वैगन तथा ओ. एंड एफ. द्वारा संयुक्त रूप से दिनांक ०१-०६-२०२३ को भव्य राजभाषा प्रदर्शनी लगाई गई। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं अवलोकन अपर मंडल रेल प्रबंधक व अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी वीरेंद्र वर्मा ने किया। इस अवसर पर वरि.मंडल यांत्रिक इंजीनियर वी.जे. सिंह (कैरिज एंड वैगन) तथा वरि. मंडल यांत्रिक इंजी. (ओ. एंड एफ.) राज कुमार वर्मा, तथा सहा मंडल यांत्रिक इंजी. अभिषेक प्रधान व राजभाषा अधिकारी पवन कुमार मिश्रा एवं वरि. पर्यवेक्षक उपस्थित रहे। इस प्रदर्शनी में यांत्रिक विभाग द्वारा हिंदी में किए जा रहे कार्यो को प्रदर्शित किया गया। इस विभाग में अधिकांश कार्य हिंदी में किए जाते हैं तथा निरीक्षण रिपोर्टे भी हिंदी में जारी की जाती हैं। राजभाषा हिंदी के प्रचार- प्रसार में यांत्रिक विभाग का योगदान उत्कृष्ट रहा है।

## आगरा किला–अछनेरा रेल खंड में चला टिकट जाँच अभियान

रे.स.ब्यू./सूत्रः आगरा किला – अछनेरा रेल खंड में सघन टिकट जाँच अभियान चलाया गया। मंडल रेल प्रबंधक आनन्द स्वरुप के निर्देशन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आगरा अमन वर्मा और सहायक वाणिज्य प्रबंधक प्रथम आगरा वीरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में आगरा किला–अछनेरा रेल खण्ड में विशेष चेकिंग अभियान चलाया गयाद्यआगरा किला–अछनेरा रेल खण्ड में मुख्यतय ट्रेन संख्या– १२१६५,१६४०२, ०६०६१, १४८६३, १२३०७, ०१६०२, ०१६०३, १५६३३ में बिना टिकट, अनियमित यात्रा, धूम्रपान करने वाले,गंदगी फैलाने वाले तथा अवैध तरीके से वेंडिंग करते हुए ०४ वेंडर्स से रु १०३००/-, १०२ बिना टिकट यात्रियों से रु ५६८६५/-, ७० अनियमित यात्री ,अन्बुकड़ सामान से रु३१६३५/- ०७ गंदगी और धूम्रपान फैलाने वाले से रु ७००/- कुल १८३ यात्रियों से जुर्माना स्वरुप रु ६६५००/- रेल राजस्व अर्जित किया गया । इस अभियान के अतिरिक्त सम्पूर्ण आगरा मंडल में कुल १७२१ अनाधिकृत यात्रियों से कुल रुपए ११००४५५/- आय अर्जित की गई। जनसंपर्क अधिकारी कु.प्रशस्ति श्रीवास्तव ने बताया कि टिकट चेकिंग अभियान को और गति देते हुए ट्रेनों में दिन - रात औचक टिकट जांच की जा रही है ।

मंडल के विभिन्न रेल खंडों और मुख्य रेलवे स्टेशनो पर भी सघन टिकट जांच की जा रही है।

## संरक्षा आयुक्त (रेलवे), पूर्वी सर्किल, कोलकाता का निरीक्षण

रे.स.ब्यू./सूत्र हाजीपुर : संरक्षा आयुक्त (रेलवे), पूर्वी सर्किल, कोलकाता सुवोमोय मित्र द्वारा दिनांक ३०.०५.२०२३ को सगौली-वाल्मिकीनगर दोहरीकरण परियोजना के अंतर्गत ०८ किमी लंबे भैरोगंज-खरपोखरा के बीच नवदोहरीकृत रेलखंड का निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के उपरांत भैरागंज से खरपोखरा तक सफलतापूर्वक स्पीड ट्रायल भी किया गया । विदित हो कि ११० किमी लंबे सगौली- वाल्मिकीनगर दोहरीकरण परियोजना के अंतर्गत अब तक सगौली से हरनगर तक ३२ किलोमीटर रेलखंड का दोहरीकरण कार्य पूरा कर इसकी कमीशनिंग की जा चुकी है । आज इस परियोजना के अंतर्गत ०८ किलोमीटर लंबे भैरोगंज-खरपोखरा तक का सीआरएस निरीक्षण संपन्न हुआ ।

## कोरबा-अमृतसर-बिलासपुर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस एवं बिलासपुर–भगत की कोठी-बिलासपुर एक्सप्रेस का नागपुर रेल मंडल के पांढुरना स्टेशन में ठहराव की सुविधा

रे.स.ब्यू./सूत्रःबिलासपुर–रेल यात्रियो की सुविधाओ को ध्यान में रखते हुये रेलवे प्रशासन द्वारा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने वाली गाड़ी संख्या १८२३७/१८२३८ कोरबा-अमृतसर- बिलासपुर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस एवं २०८४३/२०८४४ बिलासपुर– भगत की कोठी-बिलासपुर एक्सप्रेस का मध्य रेलवे के नागपुर रेल मंडल के अंतर्गत पांढुरना रेलवे स्टेशन में ठहराव की सुविधा प्रदान की गयी है । यह ठहराव प्रायोगिक तौर पर अस्थायी रूप से ६ महीने के लिए दिया जा रहा हैं । दिनांक ३० मई, २०२३ को कोरबा से चलने वाली गाड़ी १८२३७ कोरबा- अमृतसर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस ट्रेन पांढुरना रेलवे स्टेशन २३.४३ बजे पहुचकर २३.५० बजे रवाना होगी। इसी प्रकार विपरीत दिशा में भी दिनांक ३० मई, २०२३ को अमृतसर से चलने वाली गाड़ी संख्या १८२३८ अमृतसर-बिलासपुर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस ट्रेन का पांढुरना रेलवे स्टेशन में २३.२३ बजे पहुचकर २३.२५ बजे रवाना होगी ।

दिनांक ०१ जून, २०२३ को भगत की कोठी से चलने वाली गाड़ी २०८४४ भगत की कोठी-बिलासपुर एक्सप्रेस ट्रेन पांढुरना रेलवे स्टेशन ००.२८ बजे पहुचकर ००.३० बजे रवाना होगी।

इसी प्रकार विपरीत दिशा में भी दिनांक ३० मई, २०२३ को बिलासपुर से चलने वाली गाड़ी संख्या २०८४३ बिलासपुर-भगत की कोठी एक्सप्रेस ट्रेन का पांढुरना रेलवे स्टेशन में ०२.४८ बजे पहुचकर ०२.५० बजे रवाना होगी ।

# IRCTC Bharat Gaurav Tourist Train

Source/CPRO/IRCTC: To realize the vision of Hon'ble Prime minister Shri Narendra Modi to showcase India's rich cultural heritage and magnificent historical places and also to promote the noble tourism concepts of "Ek Bharat Shreshtha Bharat" & "Dekho Apna Desh", The Indian Railways introduced the concept of operating theme based tourist trains under the banner of "Bharat Gaurav Tourist Trains". These theme-based trains have been designed to showcase the rich cultural and religious heritage of Bharat to the domestic tourists as well as the International Tourists. IRCTC Bharat Gaurav Tourist Trains are specially designed in keeping with the convenience of the travelers as these tours range from 7 days to 18 days with abundant experiences. Hence, this comfortable train journey is combined with various onboard services like kitchen services, washrooms having cubicles, pantry car, security cameras etc. that are fully operated by the Indian Railway Catering and Tourism Corporation (IRCTC). The journeys undertaken on these trains are on the diverse circuits, which are offered in the form of tour packages, wherein a number of services are offered, like off-board travel and excursions by buses, stay at hotels, tour guides, meals etc. The packages are designed so as to enhance the travel experience of the guest, where post-boarding of train, all essential needs are taken care of by us. IRCTC, which is the professional tourism and hospitality arm of Indian Railways, and the largest rail tourism operator in the country, has always been committed to promote the noble vision of Ministry of Railways to showcase India as a destination in the international as well as domestic front.

To implement the vision of Ministry of Railways, IRCTC has already taken 10 Bharat Gaurav Trains of various coach compositions to cater to diverse tourist segments, and the company will be operating around 250-300 train tour packages annually on various famous theme based circuits covering the historical, religious and cultural heritages of the country. To give the traveler's a never before seen experience, there are 3 types of trains that are currently operating under the Bharat Gaurav Tourist Trains, which are IRCTC Bharat Gaurav Tourist Train, Deluxe AC Tourist Train & Karnataka Bharat Gaurav Tourist Train. The exterior of these trains have been designed to promote theme based tourism by highlighting various facets of life such as culture, traditions and customs. Every coach in the train has been designed to promote the rich cultural heritage of Bharat highlighting various aspects such as monuments, dances, cuisines festivals etc.IRCTC's Bharat Gaurav Tourist Train has a mixed composition of Sleeper (Non AC), AC III tier and AC II tier coaches. These trains have a total capacity of around 600 - 700 seats. Deluxe AC Tourist Train is a 156 seater fully air-conditioned train with onboard accommo-dation of AC I and AC II tier only. The train has two onboard rail restaurants giving it a very exclusive and luxurious feel. It has been fitted with washrooms having shower cubicles, electronic safes in each cabin and common areas with single sofas with reading lights, foot massagers, shoe shiners, infotainment systematic and an in-house library. Govern-ment of Karnataka (GoK) has taken initiative to offer pilgrimage and heritage tour of Kashi, Puri and Dwarka by running Karnataka Bharat Gaurav Tourist Train in association with IRCTC. The fully air-conditioned tourist train has 11 AC III tier coaches to accommodate around 700 passengers onboard.Each IRCTC Bharat Gaurav Tourist Train is a carefully crafted wholesome tourism experience in itself. These exquisite theme based train tour circuits are designed in a way wherein all the prominent destinations of the theme are covered. Recently, "MATA VAISHNODEVI WITH HARIDWAR & RISHIKESH YATRA" toured the Vaishno Devi Temple in Katra. Other important religious destinations covered in this tour are Rishikesh and Haridwar. Prior to that, "RAMESHWARAM TIRUPATI DAKSHIN DARSHAN YATRA" explored the prominent destinations in Mysuru, Bangalore, Rameshwaram, Madurai, Kanyakumari, Thiruvanantha-puram and Tirupati.The "PUNYA KSHETRA YATRA" toured the world famous Jagannath temple at Puri, and also covered Konark, Prayagraj, Gaya, Ayodhya and Varanasi. Several other Bharat Gaurav Trains have also been planned for the showcasing of India's rich cultural heritage and magnificent historical places to the people of Bharat and the world at large. The travelers will get the chance to travel onboard the "MAHAKALESHWAR SANG UTTAR BHARAT DEV BHOOMI YATRA" covering important religious destinations in Ujjain like visiting the Mahakaleshwar and Omkareshwar Temple. Other destinations covered in this tour are Agra, Mathura, Haridwar, Amritsar and Katra , as well as the "7 JYOTIRLING YATRA" from Gorakhpur will be exploring the various Jyotirlinga's Ujjain, Somnath, Dwarka, Triambkeshwar Jyotirlinga, Grishneshwar Jyotirlinga(Nasik Road) and also Bhimashankar Jyotirlinga in Pune. The travelers can also be a part of the "DIVYA DAKSHIN DARSHAN YATRA", that will cover places like Tirupati, Rameshwaram, Madurai and Kanyakumari. The SOUTH WESTERN SOJOURN, will be exploring destinations of Mysore like the St Philomina Church, Mysore Palace, Brindavan Garden, Chamundi Hills and Rail Museum. Other destinations included in this tour are Hampi, Shirdi Sai Mandir, Shani Shingnagpur in Shirdi, Nashik and Goa. The Bharat Gaurav Tourist Train is a perfect example of how the Indian Railways is contributing to the growth and development of the country's tourism sector. It offers a unique and memorable travel experience that showcases India's pride and glory also realizing the vision of Hon'ble Prime minister Shri Narendra Modi to showcase India's rich cultural heritage and magnificent historical places.To experience and explore India in comfort and style, hop on the Bharat Gaurav Tourist Train and take a journey through India's heart and soul! Visit IRCTC website: https://www.irctctourism.com/bharat gaurav and booking is available online, on first come first serve basis on the web portal. For more information, one can contact on Mobile no. 8287930739, 8287930297, 8287930484.

## मिशन लाइफ पर्यावरण संरक्षण जन जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत चलाया गया अभियान

रे.स.ब्यू./सूत्रःझांसी गभारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे मिशन लाइफ पर्यावरण संरक्षण जन जागरूकता के अंतर्गत वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी रेलवे स्टेशन पर वृहद स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया गया। दिनांकः २३.०५.२३ को अभियान का उद्देश्य सभी उपस्थित यात्रियों तथा रेल उपयोगकर्ताओं को स्वच्छता तथा पर्यावरण संरक्षण हेतु जागरूक करना रहा। स्टेशन डायरेक्टर सीमा तिवारी एवं जनसंपर्क अधिकारी मनोज कुमार सिंह के नेतृत्व मे एकत्रित मिशन लाइफ पर्यावरण संरक्षण जागरूकता रैली प्लेटफार्म क्रमांक ०२/०३ से प्रारम्भ होकर स्टेशन के सभी प्लेटफार्म का भ्रमण करते हुए आरक्षित लौंज पर पर्यावरण संरक्षण सम्बंधित शपथ दोहराने के साथ समाप्त हुई। इस दौरान उत्तर मध्य रेल झांसी के स्काउट एवं गाइड से प्रदीप पाण्डेय, आशीष, अरिबा, खुशी सहित छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे। जनसंदेश यात्रा में मुख्य जनसंपर्क निरीक्षक प्रदीप सुडेले, मुख्य वाणिज्य निरीक्षक मनोज तिवारी, खानपान निरीक्षक सुशील अग्रवाल, स्टेशन रेल उपयोगकर्ता सलाहकार समिति सदस्य जगमोहन बडोनिया आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे तथा जनसंदेश यात्रा का संचालन किया।

## आईटीआई प्रशिक्षण एवं रोजगार मेलों की दी जाय जानकारी

रे.स.ब्यू./सूत्रःलखनऊ। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा की प्रदेश सरकार द्वारा आईटीआई के माध्यम से चलायी जा रही योजनाओं का लाभ युवाओं को दिलाया जाय और आईटीआई में प्रवेश लेने वाले युवाओं को आईटीआई से प्रशिक्षण प्राप्त करने के लाभों के बारे जानकारी दी जाय, जिससे युवा अपने प्रशिक्षण की पूरी अवधि को पूरा कर हुनरमंद बन सके। कौशल विकास के ट्रेनिंग पार्टनर के सेन्टरों की निरन्तर निरीक्षण किया जाय, किसी प्रकार का फर्जीवाड़ा पाये जाने पर सम्बन्धित क्षेत्र के अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाय। मंत्री कपिल देव अग्रवाल जनपद प्रयागराज के सर्किट हाउस में शनिवार को मण्डलीय अधिकारियों के साथ विभागीय समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने जनपद प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़ एवं कौशाम्बी से आये अधिकारियों से आईटीआई और कौशल विकास केन्द्र का फीडबैक लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि तीन दिनों के अन्दर आईटीआई उच्चीकरण के कार्यो की रिपोर्ट प्रस्तुत की जाय। उन्होंने निर्देश दिया कि आईटीआई में चल रहे कोर्सो की जानकारी का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाय, जिससे युवा आईटीआई में प्रशिक्षण प्राप्त कर हुनरमंद बनकर अपने स्किल के अनुरूप रोजगार या स्वरोजगार के अवसर प्राप्त कर सके। आईटीआई में आयोजित होने वाले रोजगार मेलों की जानकारी युवाओं को अधिस से अधिक दी जाय, जिससे युवा विभिन्न कम्पनियों में सेवायोजित हो सके। सभी आईटीआई को स्वच्छ और साफ सुथरा रखने का कार्य भी सुनिश्चित किया जाय।

# उत्तर मध्य रेलवे में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की १३वीं राज्य परिषद की बैठक आयोजित

रे.स.ब्यू./संवा.प्रयागराज उत्तर मध्य रेलवे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की १३वीं राज्य परिषद की बैठक दिनांक १२.०५.२०२३ को सतीश कुमार, संरक्षक एवं महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक का आरम्भ उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा स्काउट प्रार्थना के साथ किया गया। सभी जिले- प्रयागराज, आगरा एवं झांसी द्वारा आडिट एकाउण्ट रिपोर्ट पंजीकरण रिपोर्ट एवं वार्षिक कार्यक्रम की रिपोर्ट स्लाइड के माध्यम से प्रस्तुत की गयी। राज्य कोषाध्यक्ष द्वारा राज्य मुख्यालय भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के आडिट एकाउण्ट की रिपार्ट प्रस्तुत की गई। १३वीं राज्य परिषद की इस बैठक में रेलवे बोर्ड नई दिल्ली के निर्देशानुसार संरक्षक एवं महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे द्वारा भारत स्काउट्स एवं गाइड्स उत्तर मध्य रेलवे राज्य के विभिन्न प्रावधानों में संसोधन कर अनुमोदन प्रदान किया गया है। रिपोर्ट में मुख्यतः ब्वअपक-१६ जैसी वैश्विक महामारी के दौरान तीनो मण्डलों द्वारा सोशल डिसटेंसिंग को ध्यान में रख कर किये गये कार्यो प्रशंसा की गई और उन्हें बधाई दी गई। बैठक में अध्यक्ष एवं अपर महाप्रबंधक, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक एवं राज्य मुख्य आयुक्त, राज्य आयुक्त/ (स्काउट/गाइड ), सहायक राज्य सचिव, राज्य सचिव, राज्य कोषाध्यक्ष, मुख्यालय आयुक्त एवं सभी जिले प्रयागराज, आगरा, झांसी के जिला मुख्य आयुक्त एवं अपर मण्डल रेल प्रबंधक, जिला आयुक्त (स्काउट/गाइड) तथा मुख्यालय से राज्य संगठन आयुक्त व राज्य प्रशिक्षण आयुक्त और राज्य परिषद के सभी स्काउट पदाधिकारियों ने कुशलता पूर्वक इस बैठक में भाग लिया।बैठक का संचालन रवि कान्त शर्मा राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) के द्वारा किया गया और एम के कुलश्रेष्ठ राज्य सचिव/उप मुख्य कार्मिक अधिकारी (मुख्यालय) ने बैठक में उपस्थिति सभी पदाधिकारियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। अन्त में राष्ट्रगान के साथ बैठक का समापन किया गया।

हिंदी वह धागा है जो विभिन्न मात भाषाओं रूपी फूलों को पिरोकर भारत माता के लिए सुंदर हार का सर्जन करेगा।
डॉ जाकिर हुसैन

# दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे महिला कल्याणकारी संगठन के द्वारा श्रमिक दिवस हुआ आयोजित

रे.स.ब्यू./सूत्रःबिलासपुर। श्रमिक दिवस के अवसर पर डॉ. वनिता जैन, अध्यक्षा/सेक्रों की अध्यक्षता में २५ वर्ष व अधिक रेल सेवा में कार्यरत है तथा वर्ष २०२३ से २०२५ में सेवा निवृत्त होने वाले विभिन्न विभागो में कार्यरत ०६ रेल कर्मियों को डॉ वनिता जैन के कर कमलों के द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। सेक्रो अध्यक्षा डॉ वनिता जैन ने इस अवसर पर कहा कि श्रम न केवल उत्पादन में, बल्कि अन्य सभी आर्थिक गतिविधियों में भी एक महत्त्वपूर्ण कारक होता है। डेविड रिकार्डो और कार्ल मार्क्स जैसे क्लासिक अर्थशास्त्रियों ने उत्पादन के मुख्य स्रोत के रूप में श्रम को प्रमुख स्थान दिया। इस प्रकार श्रमिक किसी भी देश के आर्थिक और सामाजिक विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। श्रमिकों की इसी भूमिका को एक पहचान देने और श्रमिक आंदोलनों के गौरवशाली इतिहास को याद करने के उद्देश्य से मई दिवस अथवा अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस मनाया जाता है । विश्व के अधिकांश देशों में मई दिवस को एक अवकाश घोषित किया गया है । विडंबना यह है कि नई पीढ़ी मई दिवस को केवल एक अवकाश के रूप में ही जानती है, लोगों के जहन में मई दिवस और श्रमिकों की भूमिका धीरे-धीरे धूमिल होती जा रही है।

जिससे उन्हें निरन्तर आगे बढ़ने के उचित अवसर उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया बिलासपुर के उच्च अधिकारियों द्वारा उनके सेवा निवृत्त के पश्चात प्राप्त सेटलमेंट को किस तरह निवेश करे, साइवर क्राइम से कैसे बचे, मुच्यूल फंड निवेश आदि के बारे में महत्वपूर्ण जानकारिया प्रदान की गयी । जिससे रेल कर्मियों को काफी लाभ मिला है । इस अवसर पर अध्यक्षा/सेक्रों, डा. वनिता जैन के द्वारा उपस्थित रेल कर्मियों को श्रमिक दिवस की बधाई दी एवं उन्हे आगे भी परिश्रम के बल पर रेलवे को आगे बढ़ाने को कहा । इस अवसर पर सभी सेक्रो सदस्याये उपस्थित थी।

# उत्तर मध्य रेलवे के परिचालन विभाग द्वारा मनाया गया अंतराग्नि-२०२३ कार्यक्रम

रे.स.ब्यू./सूत्रः प्रयागराज। परिचालन विभाग के अधिकारी तथा कर्मचारी नित नई चुनौतियों का सामना कर रेल संचालन मे महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है। इन चुनौतियों के बीच उत्पन्न तनाव को कम करने के लिये अधिकारियों तथा कर्मचारियों के परिवार का एक दूसरे से परिचय कराने के उद्देश्य से प्रयागराज मण्डल के वरिष्ठ मण्डल परिचालन प्रबंधक (समन्वय)/प्रयागराज के पहल पर "अंतराग्नि-२०२३" का आयोजन किया गया, जिसमे परिचालन विभाग के सभी अधिकारी, कर्मचारी तथा इनके परिवार वालों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम मे बच्चों ने नृत्य तथा गीत की प्रस्तुति दी, जिनमें कृति शुक्ला तथा ओम शुक्ला के नृत्य ने दर्शकों का मन मोह लिया। कु. दिव्याभा का सरस्वती वन्दना एवं अराध्या, आरूषी, निश्चय एवं निशिका ने शानदार नृत्य/गीत प्रस्तुत किया। वरिष्ठ मण्डल परिचालन प्रबंधक (गुड्स)/ प्रयागराज द्वारा एक सुमधुर गीत "आदमी जो कहता है" एवं मण्डल परिचालन प्रबंधक (कोचिंग)/ प्रयागराज शीरत फातिमा द्वारा "जिन्दगी को बिना प्यार कोई कैसे गुजारे" जैसे गीत प्रस्तुत किये गये, जिससे दर्शक पुरानी यादों मे खो गये एवं तालियों की से पूरा हाल गूँज उठा। कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, ने बताया कि कजरी ०५ प्रकार की होती है तथा कजरी विधा की उत्पत्ति मिर्जापुर के कजरा गाँव से हुयी थी, कार्यक्रम की प्रस्तुति के क्रम में मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने एक कजरी गीत सुनाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का समापन स्टेशन डायरेक्टर/ प्रयागराज, वी. के. द्विवेदी के गीत "दमादम मस्त कलंदर" से हुआ, इस गीत पर दर्शक दीर्घा में बैठे हुए दर्शक मंत्रमुग्ध हो गये, दर्शकों की तालियाँ इस बात को बयां कर रही थी कि गीत की प्रस्तुति कितनी सुन्दर रही। ढ़ोलक पर सुधाकर द्विवेदी, यातायात निरीक्षक/ कोचिंग ने स्टेशन डायरेक्टर का बखूबी साथ निभाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, वरिष्ठ मण्डल परिचालन प्रबंधक (समन्वय)/ प्रयागराज रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन यातायात निरीक्षक /प्रयागराज, पवन कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के अंत मे मुख्य जनसंपर्क अधिकारी/प्रयागराज तथा वरिष्ठ मण्डल परिचालन प्रबंधक (समन्वय)/प्रयागराज द्वारा बच्चों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में यातायात निरीक्षक/योजना-, ए.एम. सिद्दीकी, मुख्य नियंत्रक, आर. एल. गुप्ता, यातायात निरीक्षक/कोचिंग, सुधाकर द्विवेदी, मुख्य कार्यालय अधीक्षक, पवन कुमार, यातायात निरीक्षक/ योजना-, संतोष सिंह, यातायात निरीक्षक/स्टोर, अश्विनी द्विवेदी एवं कार्यालय अधीक्षक, नीरज कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया।

# झाँसी स्टेशन पर चला सघन टिकट जांच अभियान

रे.स.ब्यू./सूत्र झाँसी/वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शशिकांत त्रिपाठी के निर्देशन में वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी स्टेशन पर किलाबंदी कर सघन जांच अभियान चलाया गया। दिनांक ०८.०५.२३ को सुबह ०८ बजे से जारी जांच अभियान में शाम ०६ बजे तक बिना टिकट, अनियमित यात्रा, धूम्रपान करने वाले, गंदगी फैलाने वाले तथा बिना बुक लगेज सहित यात्रा करने वाले कुल ४७२ यात्री पकड़े गए। जिसमें जुर्माना स्वरुप २,६५,८८० रेल राजस्व अर्जित किया गया । जांच के दौरान रेलवे स्टेशन के सभी वेटिंग रूम व प्लेटफार्म की सघन जांच की गई, इसके अतिरिक्त स्टेशन से गुजरने वाली सभी यात्री रेलगाड़ियों के विकलांग, महिला कोच, आरएमएस कोच तथा पैंट्री कार की भी जांच की गई। जाँच में मुख्य टिकट जांच निरीक्षक के पी आर्मो स्टेशन, शिरीष उपाध्याय, साजिद अनवर, कफील अहमद, ताज अब्बास, अब्दुल अजीज, एस सी वैश्य, शीबा मैथ्यू आदि शामिल रहे। त्रिपाठी जी द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु सभी का प्रोत्साहित किया।

# मण्डल रेल प्रबंधक प्रयागराज ने किया अलीगढ़ टुंडला स्टेशनों का निरीक्षण

रे.स.ब्यू./संवा.प्रयागराज मण्डल रेल प्रबंधक हिमांशु बडोनी ने प्रयागराज मंडल के अधिकारियों के साथ अलीगढ़ स्टेशन के रिडेवलपमेंट के दृष्टिगत की जा रही प्लानिंग का विस्तृत रूप जायजा लिया। दिनांक ०६ मई २०२३ को निरीक्षण के इसी क्रम में मण्डल रेल प्रबंधक ने अलीगढ़ से टुंडला तक फुट प्लेटिंग निरीक्षण भी किया। फुट प्लेटिंग निरीक्षण एक विशेष प्रकार का निरीक्षण होता है जिसमे रेल पथ एवं उसके पास के सभी इंस्टालेशनो जैसे सिग्नल, ओएचई, प्लेटफॉर्म इत्यादि का ड्राइवर केबिन से निरीक्षण किया जाता है। निरीक्षण के दौरान मार्ग मे पड़ने वाले स्टेशनों की सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं, राइडिंग क्वालिटी विशेष तौर से प्वॉइंट एवं क्रॉसिंग पर ट्रैक ज्योमेट्री इंडेक्स मे सुधार, ओएचई की स्थिति, मार्ग के लेवल क्रॉसिंग गेटों की स्थिति, मार्ग में आने वाले माइनर व मेजर ब्रिज, ट्रेक के किनारे बन रहे बाउंड्री वॉल की स्थिति, रोड ओवर ब्रिज तथा रोड अंडर ब्रिज आदि का मण्डल रेल प्रबंधक, द्वारा अवलोकन किया गया। इसी क्रम में अलीगढ़ जंक्शन के निरीक्षण के दौरान मण्डल रेल प्रबंधक द्वारा रिडेवलपमेंट के दौरान किए जाने वाले कार्यो के सभी पहलुओं को बारीकी से समझा गया एव कार्य स्थल पर जाकर जानकारी ली गई। इस दौरान किस प्रकार से यात्रियों का प्रवेश, निकास, स्टेशन का सिटी सेंटर के रूप में विकास, मल्टी मोडल ट्रांसपोर्ट के तहत रोडवेज से कनेक्टीविटी आदि विषयों पर जानकारी ली। अलीगढ़ स्टेशन पर बने द्वितीय प्रवेश द्वार को किस तरह से रिडेवलपमेंट प्लान में शामिल किया जा सकता है इस पर संबंधित अधिकारियों से मंडल रेल प्रबंधक ने विचार विमर्श किया। इस अवसर पर प्रेस एवं मीडिया से बात करते हुए मंडल रेल प्रबंधक ने बताया कि अलीगढ़ स्टेशन को रिडेवलपमेंट करने की प्लानिंग चल रही है, निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य की जा रही प्लानिंग की बारीकियों को देखना था। उन्होंने बताया कि लगभग ६०० करोड़ से स्टेशन का विकास किया जाना प्रस्तावित है। इस विकास कार्यो के दौरान इस बात का पूर्ण ध्यान रखने का प्रयास किया जाएगा कि रेल परिचालन निर्बाध रूप से चलता रहे एवं हमारे सम्मानित यात्रियों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत ना हो। इस दौरान उन्होंने पत्रकार बंधुओं से १३६ हेल्पलाइन नंबर के संबंध में लोगों को जागरूक करने की बात कही। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टेशन के निकट ट्रैक के किनारे के क्षेत्रों को भी ग्रीन पैच के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए।

इसी क्रम में मंडल रेल प्रबंधक ने अलीगढ़ परिक्षेत्र के अधिकारियों के साथ बैठक कर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इस अवसर पर उप मुख्य यातायात प्रबंधक/टूंडला अमित सुदर्शन, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर धमंडल सुधीर कुमार, वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं टेलीकॉम इंजीनियर /अलीगढ़ सुरेन्द्र सिंह सहित मंडल के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के बढ़ते हुए क्रम में मण्डल रेल प्रबंधक ने हरदुआगंज स्टेशन का निरीक्षण किया और व्यापारिक संगठनों से मुलाकात की।

इस दौरान व्यापारिक संगठनों से मुलाकात की और माल लदान को किस प्रकार से और बढ़ाया जा सकता है उसपर बातचीत की।

इसी क्रम में हाथरस, हाथरस किला एवं टुंडला स्टेशनों का भी मण्डल रेल प्रबंधक ने निरीक्षण किया। इस दौरान स्टेशनों पर उपस्थित यात्री सुविधाओं और परिचालन व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को इन्हे और बेहतर करने के निर्देश दिए।

**सभी जेड.आर.यू.सी.सी./डी.आर.यू.सी.सी.सदस्य**

उक्त पत्रिका आपको नियमित रूप से भेजी जा रही है। कृपया अपने परिक्षेत्र में हुए रेल सुधारों /सुझावों के बारे में अपना लेख प्रकाशन हेतु हमें भेजने की कृपा करें।

प्रधान सम्पादक- ज्ञानेंद्र कुमार श्रीवास्तव
मो. 9793956044, 9935224867

# झाँसी मंडल द्वारा सौर ऊर्जा के उपयोग से पर्यावरण संरक्षण के साथ राजस्व बचत में निरंतर बढ़ोतरी

साभार: मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष के दिशा-निर्देशन में निरंतर सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा दे रहा है, जिससे कार्बन के उत्सर्जन को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से कम किया जा रहा है। इसके साथ हीराजस्व की बचत की जा रही है । माह मार्च २०२३ में झाँसी मंडल पर सौर संयंत्रों द्वारा कुल ०१,०६,७७८ यूनिट का उत्पादन किया गया है, जिससे ३,३८,१६६/- रुपये के बिजली खर्च में बचत हुई । मार्च २०२३ तक कुल संचयी यूनिट ११,६४,५५८ है, जिससे बिजली व्यय पर हुई बचत रु. ३५,६३,३६४ रही। माह मार्च २०२३ में मंडल के विभिन्न कार्यालय डिपो आदि पर संस्थापित सौर संयंत्रों का सीयूएफ २०: के लक्ष्य के मुकाबले १२.२५: रहा है। माह के दौरान, एबीबी लोको द्वारा ५२,६६,८५० यूनिट रु. ०६.५४ प्रति यूनिट अर्थात रु. ३,४४,४५,१६६/- की दर से विद्युत ऊर्जा की बचत हुई है।रेलवे बोर्ड के एल.एन.ओ. द्वारा जारी निर्देशों के कार्यान्वयन के परिणाम स्वरूप २००७/फ्यूल/२८२६३, डीटी. लोको शटडाउन के फलस्वरूप हाई स्पीड डीजल की खपत में भारी गिरावट आई है, माह के दौरान हाई स्पीड डीजल पर मंडल द्वारा बचाया गया कुल राजस्व १.०२ करोड़ रुपये रहा है। इतना ही नही,अप्रैल २०२३ के महीने के दौरान, डिवीजन द्वारा ६७० किलो हाई स्पीड डीजल का उपयोग किया गया, जबकि अप्रैल २०२२ में ११४० किलो एचएसडी तेल का उपयोग किया गया था, जो पिछले वर्ष की तुलना में ४१.०५: बचत है।

# हैदराबाद-रक्सौल-सिकंदराबाद के बीच साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन की सुविधा

रे.स.ब्यू./सूत्र बिलासपुर। रेल यात्रियों की सुविधाओं एवं मांग को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से होकर जाने वाली ०७०५१/०७०५२ हैदराबाद–रक्सौल-सिकंदराबाद साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन की सुविधा १३ मई से ३० मई, २०२३ तक इस गाड़ी का परिचालन होगा। यह गाड़ी ०७०५१ हैदराबाद – रक्सौल साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन प्रत्येक शनिवार को हैदराबाद से १३, २० एवं २७ मई, २०२३ को चलेगी । इसी प्रकार विपरीत दिशा में भी ०७०५२ रक्सौल-सिकंदराबाद साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन प्रत्येक मंगलवार को रक्सौल से १६, २३ एवं ३० मई, २०२३ को चलेगी । इस गाड़ी में ०५ एसी थ्री, ०२ एसी टू टायर, १२ स्लीपर, ०३ सामान्य एवं ०२ एसएलआर सहित कुल २४ कोच रहेंगे ।

# महाप्रबन्धक सतीश कुमार ने रेल कर्मचारियों को प्रदान किए संरक्षा पुरस्कार

रे.स.ब्यू./संवा.प्रयागराज महाप्रबन्धक, उत्तर मध्य रेलवे, सतीश कुमार, प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी, मनीष कुमार गुप्ता एवं उत्तर मध्य रेलवे के विभागाध्यक्षों की उपस्थिति में दिनांक ०६.०५.२०२३ को संरक्षा के प्रति किए गए उत्कृष्ट कार्यो के लिए झांसी, आगरा एवं प्रयागराज मण्डलों से चयनित ०६ रेल कर्मचारियों को महाप्रबन्धक महोदय के द्वारा संरक्षा पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरस्कृत कर्मचारियों में रामबरन बिन्द, प्वाइण्टसमैन/गैपुरा/प्रयागराज मण्डल, किशोर कुमार, लोको पायलट, वीरांगना लक्ष्मीबाई, झांसी मण्डल, उत्कर्ष बिसारिया, सहायक लोको पायलट/वीरांगना लक्ष्मीबाई, झांसी मण्डल, श्याम कुमार, लोको पायलट/ आगरा कैण्ट/आगरा मण्डल, बीरेन्द्र कुमार यादव, सहायक लोको पायलट/आगरा कैण्ट/आगरा मण्डल एवं लोकेश नैन, कांस्टेबल/ फफूद /प्रयागराज मण्डल शामिल हैं। लोकेश नैन, को माह अप्रैल, २०२३ के सर्वश्रेष्ठ रेलकर्मी के संरक्षा पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया है। लोकेश नैन ने दिनांक १६.०४.२३ को फफूंद रेलवे स्टेशन पर गाड़ी सं० १४१६३ पर चढ़ रहे यात्री की त्वरित कार्यवाही करके जान बचायी, जो गाड़ी के नीचे ट्रैक पर आने वाला था। इस प्रकार लोकेश नैन ने अपने कर्तव्यों का उचित प्रकार से निर्वहन करते हुए रेलवे की छवि को उज्ज्वल बनाया।

# डबल इंजन की सरकार, डबल पावर और डबल स्पीड से काम कर रही है- पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने २५ मई, २०२३ को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देहरादून से दिल्ली के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की पहली यात्रा का शुभारंभ हरी झंडी दिखाकर किया।

पसूका/नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से देहरादून से दिल्ली के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस के उद्घाटन को झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने नव विद्युतीकृत रेल खंडों को भी राष्ट्र को समर्पित किया और उत्तराखंड को १०० प्रतिशत विद्युत कर्षण (ट्रैक्शन) वाला राज्य घोषित किया। दिनांक: २५.०५.२०२३ को प्रधानमंत्री ने समारोह को संबोधित करते हुए देहरादून और दिल्ली के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस के उद्घाटन के लिए उत्तराखंड के सभी लोगों को बधाई दी और कहा कि यह ट्रेन देश की राजधानी को उत्तराखंड की देवभूमि से जोड़ेगी। उन्होंने बताया कि दोनों शहरों के बीच यात्रा का समय और कम हो जाएगा और ट्रेन में उपलब्ध सुविधाएं एक सुखद यात्रा का अनुभव कराएंगी। दिनांक: २५.०५.२०२३ को प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार का बल नवरत्न, विकास के ६ रत्नों पर है। उन्होंने कहा कि पहला रत्न केदारनाथ-बद्रीनाथ धाम में १३०० करोड़ रुपये के जीर्णोद्धार का काम है। दूसरा, गौरीकुंड - केदारनाथ और गोबिंद घाट-हेमकुंट साहिब में २५०० करोड़ रुपये की रोपवे परियोजना। तीसरा है, मानस खंड मंदिर माला कार्यक्रम के अंतर्गत कुमाऊं के प्राचीन मंदिरों का जीर्णोद्धार। चौथा, पूरे राज्य में होमस्टे का प्रचार जहां राज्य में ४००० से अधिक होमस्टे पंजीकृत किए गए हैं। पांचवां, १६ इकोटूरिज्म स्थानों का विकास।

छठा, उत्तराखंड में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार। ऊधम सिंह नगर में एम्स का उप केन्द्र बन रहा है। सातवां, २००० करोड़ रुपये की टिहरी झील विकास परियोजना। आठवां, हरिद्वार ऋषिकेश को योग और साहसिक पर्यटन की राजधानी के रूप में विकसित करना और अंत में, टनकपुर बागेश्वर रेल लाइन। प्रधानमंत्री ने विकास कार्यों का श्रेय सही नीयत, नीति और समर्पण को दिया। वर्ष २०१४ की तुलना में रेल बजट में वृद्धि से उत्तराखण्ड को सीधा लाभ होने का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि २०१४ से ५ वर्ष पहले राज्य का औसत बजट २०० करोड़ रुपये से कम था जबकि आज रेल बजट ५ हजार करोड़ रुपये है, जो २५ गुना वृद्धि है। प्रधानमंत्री ने एक पर्वतीय राज्य में कनेक्टिविटी के महत्व पर बल दिया, जहां गांवों के लोग कनेक्टिविटी की कमी के कारण पलायन कर गए और कहा कि सरकार आने वाली पीढ़ियों के लिए उस पीड़ा को रोकना चाहती है। उन्होंने यह भी कहा कि हमारी सीमाओं तक आसान पहुंच में आधुनिक कनेक्टिविटी भी बहुत उपयोगी होगी और राष्ट्र की रक्षा करने वाले सैनिकों को किसी भी तरह से असुविधा नहीं होनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने संबोधन का समापन करते हुए कहा कि डबल इंजन सरकार उत्तराखंड के विकास के लिए प्रतिबद्ध है, उत्तराखंड का तेजी से विकास होने से भारत के तीव्र विकास में भी सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा, "देश अब रुकने वाला नहीं है, देश ने अब अपनी गति पकड़ ली है। पूरा देश वंदे भारत की गति से आगे बढ़ रहा है और आगे भी आगे बढ़ता रहेगा।

## रेलवे की वर्तमान समय सारणी ३० सितम्बर, २०२३ तक लागू

रे.स.ब्यू./सूत्र: नई दिल्ली। यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेनों का आवागमन एवं प्रस्थान समय एवं रेलवे नियमों की जानकारी के लिए प्रकाशित कि जाने वाली रेलवे की वर्तमान समय सारणी ट्रेन एट ए ग्लान्स एवं जोनल रेलवे पब्लिक समय सारणी एवं वर्किंग समय सारणी की वैद्यता ३० सितम्बर, २०२३ तक लागू रहेगी । नयी समय सारणी ०१ अक्टूबर, २०२३ से लागू एवं प्रकाशित होगी । ट्रेनों का आवागमन एवं प्रस्थान समय वर्तमान रेलवे समय सारणी ट्रेन एट ए ग्लान्स एवं जोनल रेलवे पब्लिक समय सारणी एवं वर्किंग समय सारणी के अनुसार ही ३० सितम्बर, २०२३ तक लागू रहेगी ।

# डीएफसीसीआईएल के न्यू डगमगपुर तक पहली मालगाड़ी का किया गया परिचालन

साभार: डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के ईस्टर्न डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर जो पंजाब के लुधियाना से पश्चिम बंगाल के दनकुनी तक है जिसकी दूरी १८७५ किलोमीटर है ईस्टर्न डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का अधिकतम हिस्सा उत्तर प्रदेश से होकर गुजरता है। ईस्टर्न डेडीकेटेड फ्रेट क रिडोर में न्यू दादरी से न्यू डगमगपुर स्टेशन तक ट्रेनों का परिचालन हो रहा है। प्रयागराज यूनिट का सेक्शन न्यू भाऊपूर से न्यू डीडीयू तक है जिसकी दूरी ४२२ किलोमीटर है। न्यू दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन से न्यू डगमगपुर तक नव निर्मित डबल रेल लाइन ट्रैक पर जिसकी दूरी ४३ किमी है, इस पर ५८ बोगी लोडेड (कोयला) मालगाड़ी का परिचालन न्यू डगमगपुर की और किया गया एवम ४२ लोडेड (गेहूँ) मालगाड़ी का परिचालन न्यू दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन के लिए किया गया। इस सेक्शन के खुलने से प्रयागराज यूनिट के ४२२ किमी के सेक्शन में एवम ईस्टर्न डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर में १०७० ट्रैक किलो मीटर पर ट्रेनों का परिचालन शुरु हो गया। इस ट्रायल के दौरान न्यू दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन पर मुख्य महाप्रबंधक (पूर्व) ओमप्रकाश, अपर महाप्रबंधक परिचालन मन्नू प्रकाश दुबे, ए.बी सरन महाप्रबंधक एसएनटी, पंकज जायसवाल महाप्रबन्धाक इलेक्ट्रिकल, डिप्टी सीपीएम इंजीनियरिंग यशपाल सिंह, जीएमआर के राज सिंह टाक, पीएमसी के कमल शर्मा, एलएनटी के अमित मिश्रा, कुणाल मुखर्जी आदि लोग मौजूद रहे। महाप्रबंधक (समन्वय) देवेंद्र सिंह की उपस्थिति में ४२ लोडेड (गेहूँ) मालगाड़ी का परिचालन नई डगमगपुर से हुआ । ज्ञात हो कि, न्यू दीन दयाल उपाध्याय यार्ड लगभग ५०० रूटों वाला एक मेजर यार्ड है जिसकी कुल लंबाई ७ किलोमीटर और कुल ट्रैक किलोमीटर ३५ टी के एम है। इसको भारतीय रेल के मुख्य मार्ग से ०४ स्थानों पर जोड़ा गया है। इसमें ०७ रिले हट, ०१ स्टेशन रिले रूम , ६६ सिग्नल और ११८ ट्रैक सेक्शन है। ईडीएफसी ने २०२२-२३ वित्तीय वर्ष में न्यू रूमा से न्यू सुजातपुर २२ फरवरी एवम चुनार से छिवकी २० सितंबर, न्यू करछना से न्यू इरादतगंज २६ नवंबर, न्यू करछना से न्यू सुजातपुर ३१ दिसम्बर, न्यू कानपुर से न्यू भीमसेन २१ अक्टूबर, न्यू भीमसेन से न्यू भाऊपुर २८ फरवरी २०२३ एवम ३१ मार्च को न्यू डी डी यू यार्ड में BPCL साइडिंग की कनेक्टिविटी, और न्यू खुर्जा और न्यू खटौली सेक्शन (१३४ किमी) को चालू किया गया है । मुख्य महाप्रबंधक पूर्व ओमप्रकाश जी ने बताया कि इस सेक्शन के खुलने से अब मालगाडियां न्यू भाऊपुर से सोननगर तक चलेंगी । इस सेक्शन के खुलने से ट्रेनों की कनेक्टिविटी बिहार (सोननगर) से गुजरात के सानंद तक हो जायेगी। अब ईस्टर्न सेंट्रल रेलवे से ली गयी मालगाड़ियाँ ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के रुट पर चलते हुए वेस्टर्न फ्रेट कॉरिडोर में स्थित अनेको बंदरगाहों तक पहुंच पाएँगी, एवम वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से कंटेनर लोड ईस्टर्न डेडिकेटेड कॉरिडोर पर तेजी से भेजे जा सकेंगे । खतौली-पिलखनी -साहनेवाल सेक्शन जो की ५३८ किमी सेक्शन है इसे दिसंबर २३ इसे भी चालू करने का लक्ष्य है ।

कोई भी चीज़ इतनी अच्छी नहीं होती जितनी प्रतीत होती है।
जार्ज इलियट

## पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सद्स्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।
सहयोग राशि:
१.उच्चतम अधिकारी- ५००० रु. मात्र
२.उच्च अधिकारी- ३५०० रु. मात्र
३.अधीनस्थ अधिकारी-२५०० रु. मात्र
४.रेलकर्मी/अन्य सदस्य-१०००रु.मात्र

प्रबंध संपादक
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव/
अनिल केन
रेल समाचार ब्यूरो कैंप
कार्यालय-८४३६ आर्य नगर
पहाड़गंज दिल्ली-५५

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
दि. इलाहाबाद ब्लाक वर्क्स प्रा. लि. 329/255, चक, जीरो रोड, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर,कीडगंज इलाहाबाद-211003 से प्रकाशित। आर.एन. आई नं.51097-90 पोस्ट ए.डी-8
मो. 9793956044,9935224867
फोन नं.-0532-2418040